बेलाउर सूर्य मंदिर, भोजपुर - भोजपुर के उदवंतनगर प्रखंड के बेलाउर गाँव में स्थित इस मंदिर में छठ पर्व मनाने बिहार के अलावा यूपी, झारखंड, मध्यप्रदेश एवं भारतीय मूल के विदेशी लोग भी आते हैं। ऐसा मान्यता है कि यहाँ छठ करने से सभी मनोकामनाएँ पूर्ण होती हैं।

धराउत सूर्य मंदिर, जहानाबाद - यह मंदिर जहानाबाद के मखदुमपुर प्रखंड के धराउत गाँव में स्थित है। ऐसा माना जाता है कि इस मंदिर का निर्माण लगभग 400 साल पहले राजा चंद्रसेन के शासन काल में हुआ था।

उलार सूर्य मंदिर, पटना - यह मंदिर भी 12 अर्कों में से एक है। कोणार्क, देवार्क (देव, औरंगाबाद) के बाद उलार (उलार्क) तीसरा बड़ा सूर्य स्थल माना जाता है। पटना जिले के दुल्हिन बाजार प्रखंड में स्थित यह मंदिर भी भगवान श्रीकृष्ण पुत्र साम्ब की सूर्य उपासना से संबंधित है।

पुण्यार्क (पंडारक) सूर्य मंदिर, पटना - पटना जिले के बाढ़ अनुमंडल के पंडारक गाँव में स्थित यह मंदिर भी 12 अर्कों में से एक माना जाता है तथा भगवान श्रीकृष्ण पुत्र साम्ब की सूर्य उपासना से संबंधित है। गंगा के किनारे स्थित इस एकमात्र सूर्य मंदिर का गर्भगृह सूर्यरथ के चक्के से ढँका हुआ है। मंदिर 1934 के भूकंप में क्षतिग्रस्त हो गया था, जिसका कालांतर में जीर्णोद्धार कराया गया है।

कंदाहा सूर्य मंदिर, सहरसा - सहरसा जिले के महिषी प्रखंड के पस्तवार पंचायत में स्थित इस मंदिर का निर्माण काल 14वीं सदी है। यहाँ राशियों में प्रथम मेष राशि के साथ सूर्य की प्रतिमा स्थापित है। इस मंदिर में सभी बारह राशियों के साथ-साथ सूर्य यंत्र भी मौजूद है। ऐसी मान्यता है कि इस मंदिर परिसर में स्थित कुँए के जल से स्नान करने से कई रोग दूर होते हैं, खासकर कुष्ठ रोगियों को काफी फायदा मिलता है।

बिहार में कुछ अन्य सूर्य मंदिर भी प्रसिद्ध हैं, जैसे मणिधक मसौढ़ी पटना स्थित सूर्य मंदिर, कैमूर पहाड़ी की गोद में बसा सदोखर गाँव का मंदिर, सासाराम के राम जानकी मंदिर सरोवर में स्थित सूर्यमंदिर, बरूआर, मधुबनी का द्वादश आदित्य मंदिर, वैशाली स्थित चेचर मंदिर आदि।

BIHAR TOURISM Blissful Bihar

Department of Tourism, Government of Bihar
Old Secretariat, Patna - 800015, Bihar (India)
Tel. : +91-612-2217045
Email : dir-tourism-bih@nic.in
Website: https://tourism.bihar.gov.in/

BIHAR TOURISM Blissful Bihar

बिहार के प्रमुख सूर्य मंदिर

बिहार ज्ञान, मोक्ष एवं सह अस्तित्व की भूमि है। प्राचीन काल से ही यहाँ सूर्य की उपासना के अनेक प्रमाण वैदिक साहित्य में एवं पुरातात्विक अवशेषों के रूप में मिलते हैं। सूर्य को धरती पर जीवन की उत्पत्ति एवं आरोग्य का देव माना जाता है-

उद्यन अद्य मित्रमह आरोहन उत्तरां दिवम्।
हृद रोगं मम् सूर्य हरिमाणं च नाशय।।

अर्थात् - उदय होते ही सूर्य की अवरक्त किरणें सभी रोगों को, हृदय की सभी बीमारियों को, रक्ताल्पता को दूर करती है। (ऋग्वेद 1.50.11)

सूर्य को पर्यावरण का संरक्षक भी माना गया है-

उत पुरस्तात् सूर्य एत, दुष्टान् च घ्न अष्टान च्
सर्वान् च प्रमृणन कृमीन।।

अर्थात् - सूर्य का प्रकाश दिखाई देने वाले और न दिखाई देने वाले सभी प्रकार के प्रदूषित जीवाणुओं व रोगाणुओं को नष्ट करने की क्षमता रखता है। (अथर्ववेद 3.7)

कुछ विद्वानों का मत है कि साम्ब पुराण में सूर्य के उपासकों के लिये "मग" शब्द प्रयुक्त हुआ है इसलिये मगध का नामकरण इन्हीं मग ब्राह्मणों के नाम पर हुआ है। मगध की इस प्राचीन धरती पर अनेक सूर्य मंदिर हैं। ऐसी मान्यता भी है कि भगवान श्री कृष्ण के पुत्र साम्ब को कुष्ठ रोग हो गया था तो उन्होंने सूर्य की उपासना कर इस रोग से मुक्ति पाई थी। उन्होंने जहाँ-जहाँ अर्घ्य दिया/उपासना की वहाँ-वहाँ सूर्य का मंदिर स्थापित है तथा छठ महापर्व में यहाँ पूजन करने का विशेष महत्व है।

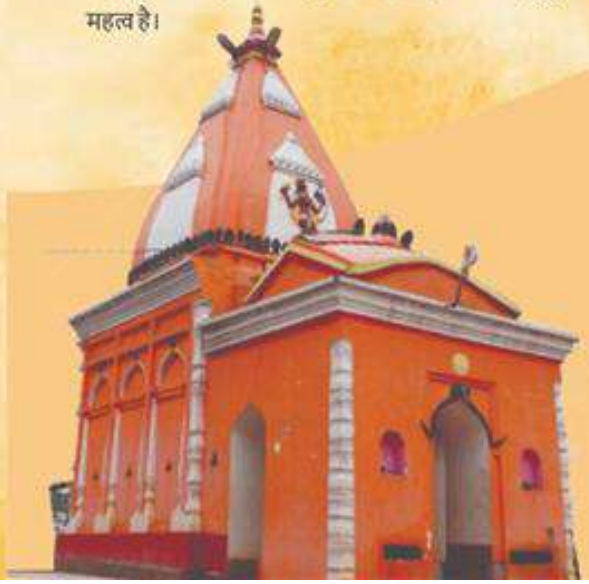

देव सूर्य मंदिर, औरंगाबाद - देव का सूर्य मंदिर नागर शैली में बना है जिसका मुख्य द्वार पश्चिम दिशा की ओर होना इसे और खास बनाता है। कोणार्क के मंदिर की तरह बने इस मंदिर की स्थापत्य कला बेजोड़ है। छठ महापर्व के साथ साथ यहाँ रविवार को भी विशेष पूजा की जाती है। इस मंदिर को लेकर दो मान्यताएँ हैं - पहली यह कि मंदिर परिसर में स्थित सूर्य कुण्ड समुद्र से जुड़ा है जिस कारण देव के आस-पास के क्षेत्र का पानी खारा है। दूसरी कि यह मंदिर एक लाख पचास हजार बाईस वर्ष पुराना है जिसका निर्माण भगवान विश्वकर्मा ने एक ही रात में किया था।

उमगा सूर्य मंदिर मदनपुर, औरंगाबाद - औरंगाबाद जिले के मदनपुर गाँव की मनोरम उमगा पहाड़ियों पर स्थित यह मंदिर काफी आकर्षक है। इस मंदिर में सूर्य के अलावा भगवान गणेश की पालकालीन प्रतिमा एवं शिवलिंग भी हैं।

इंडिया सूर्य मंदिर, नवादा - नवादा जिले के नारदीगंज प्रखण्ड में स्थित इस सूर्य मंदिर को द्वापर युग के 12 सूर्य मंदिरों में से एक माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि भगवान श्रीकृष्ण के पुत्र साम्ब ने यहाँ भी सूर्योपासना की थी।

बड़गाँव सूर्य मंदिर, नालंदा - देश के 12 अर्कों में से एक इस सूर्य मंदिर का प्राचीन नाम स्थानीय लोगों के अनुसार बर्राक था। प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय के भग्नावशेषों के समीप स्थित यह स्थल भी भगवान श्रीकृष्ण के पुत्र साम्ब की सूर्य उपासना से संबंधित है।

औंगारीधाम, नालंदा - नालंदा जिले के एकंगरसराय प्रखंड में स्थित भगवान भास्कर का यह प्राचीन मंदिर भी भगवान श्रीकृष्ण पुत्र साम्ब की सूर्य उपासना से संबंधित है। पूर्व में इसका नाम अंगार्क था जो बाद में औंगारीधाम नाम से प्रसिद्ध हुआ।

देवढ़िया सूर्य मंदिर, बक्सर - बक्सर जिले के राजपुर प्रखंड के देवढ़िया गाँव में स्थित इस मंदिर को हर्षवर्द्धन के काल का माना जाता है। इस मंदिर की चौखट पर अनजान लिपि में कुछ अंकित है। छठ महापर्व के अवसर पर यहाँ भारी मेला लगता है।

गुजरू मंदिर, रोहतास - काराकाट प्रखंड के गुजरू गाँव में स्थित इस मंदिर का निर्माण शाहाबाद गजेटियर के अनुसार छठी से आठवीं शताब्दी में किया गया। मंदिर के समीप प्राप्त चित्र-लिपि के शिलालेखों के अनुसार इस मंदिर का निर्माण किसी चेरो खरवार शासक द्वारा कराया गया था।